

## यूहन्ना का दूसरा 'आम खत

११११११११११ ११ ११११११

इस का मुसन्निफ़ यूहन्ना रसूल है। 2 यूहन्ना 1:1 में वह खुद ही बुजूर्ग यूहन्ना बतौर बयान करता है। खत का उन्वान दूसरा यूहन्ना है और यह उस के तीन खुतूत के सिलसिलों में से दूसरा है जो यूहन्ना रसूल के नाम से हैं। 2 यूहन्ना जिस खास बात पर हमारा ध्यान ले जाता है वह है झूठे उस्ताद जो युहन्ना की कलीसिया के दर्मियान खानाबदोशों की तरह रहकर इज्जाज़ करते ताकि कुछ लोगों को अपनी तरफ़ रूजूअ कर सकें और कलीसिया की मेहमान नवाज़ी का फ़ाइदा उठा सकें जिस से कि उन का मक्सद हल हो जाए।

१११११ १११११ ११ १११११११ ११ ११११

इस के लिखे जाने की तारीख़ तक्ररीबन 85 - 95 ईस्वी के बीच है।

लिखे जाने की जगह ग़ालिबन इफ़सुस है।

११११११ ११११११११११ १११११ १११११

2 यूहन्ना एक खत है जो कलीसिया की एक खातून और उस के बच्चों के नाम मुखातिब है।

१११ ११११११११

यूहन्ना ने यह दूसरा खत उस खातून और उसके बच्चों के ईमानदारी की कद्रशनासी को दिखाने या जताने के लिए लिखा। और उसकी हौसला अफ़ज़ाई के लिए भी कि वह खुदावन्द के प्यार और फ़र्मानबरदारी में लगातार चलती रहे। वह उस खातून को झूठे उस्तादों से खबरदार और होशियार कराता है और यह इतला देता है कि बहुत जल्द वह उस से मुलाक़ात करेगा। यूहन्ना उस खातून की बहन को भी सलाम लिखता है।

??????

ईमान्दार की बसीरत ।

बैरूनी खाका

1. सलाम के अलफ़ाज़ — 1:1-3
2. खुदा की मुहब्बत में होकर सच्चाई को कायम रखना — 1:4-11
3. तंबीह — 1:5-11
4. आखरी सलाम — 1:12, 13

??????

1 मुझ बुज़ुर्ग की तरफ़ से उस बरगुज़ीदा बीवी और उसके फ़र्ज़न्दों के नाम ख़त, जिनसे मैं उस सच्चाई की वजह से सच्ची मुहब्बत रखता हूँ, जो हम में काईम रहती है, और हमेशा तक हमारे साथ रहेगी,

2 और सिर्फ़ मैं ही नहीं बल्कि वो सब भी मुहब्बत रखते हैं, जो हक़ से वाकिफ़ हैं ।

3 खुदा बाप और बाप के बेटे 'ईसा मसीह की तरफ़ से फ़ज़ल और रहम और इत्मीनान, सच्चाई और मुहब्बत समेत हमारे शामिल — ए — हाल रहेंगे ।

4 मैं बहुत खुश हुआ कि मैंने तेरे कुछ लड़कों को उस हुक़म के मुताबिक़, जो हमें बाप की तरफ़ से मिला था, हक़ीक़त में चलते हुए पाया ।

5 अब ऐ बीवी! मैं तुझे कोई नया हुक़म नहीं, बल्कि वही जो शुरू' से हमारे पास है लिखता और तुझ से मिन्नत करके कहता हूँ कि आओ, हम एक दूसरे से मुहब्बत रखें ।

6 और मुहब्बत ये है कि हम उसके हुक़मों पर चलें । ये वही हुक़म है जो तुम ने शुरू' से सुना है कि तुम्हें इस पर चलना चाहिए ।

7 क्यूँकि बहुत से ऐसे गुमराह करने वाले दुनिया में निकल खड़े हुए हैं, जो 'ईसा मसीह के मुजस्सिम होकर आने का इकरार नहीं करते। गुमराह करनेवाला मुखालिफ़ — ए — मसीह यही है।

8 अपने आप में खबरदार रहो, ताकि जो मेहनत हम ने की है वो तुम्हारी वजह से ज़ाया न हो जाए, बल्कि तुम को पूरा अज़्र मिले।

9 जो कोई आगे बढ़ जाता है और मसीह की ता'लीम पर क्राईम नहीं रहता, उसके पास खुदा नहीं। जो उस ता'लीम पर क्राईम रहता है, उसके पास बाप भी है और बेटा भी।

10 अगर कोई तुम्हारे पास आए और ये ता'लीम न दे, तो न उसे घर में आने दो और न सलाम करो।

11 क्यूँकि जो कोई ऐसे शरूब को सलाम करता है, वो उसके बुरे कामों में शरीक होता है।

12 मुझे बहुत सी बातें तुम को लिखना है, मगर कागज़ और स्याही से लिखना नहीं चाहता; बल्कि तुम्हारे पास आने और रू — ब — रू बातचीत करने की उम्मीद रखता हूँ, ताकि तुम्हारी खुशी कामिल हो।

13 तेरी बरगुज़ीदा बहन के लड़के तुझे सलाम कहते हैं।

**इंडियन रिवाइज्ड वर्जन (IRV) उर्दू - 2019**  
**The Holy Bible in the Urdu language of India: इंडियन**  
**रिवाइज्ड वर्जन (IRV) उर्दू - 2019**

copyright © 2019 Bridge Connectivity Solutions Pvt. Ltd.

Language: اردو (Urdu)

Contributor: Bridge Connectivity Solutions Pvt. Ltd.

This translation is made available to you under the terms of the Creative Commons Attribution Share-Alike license 4.0.

You have permission to share and redistribute this Bible translation in any format and to make reasonable revisions and adaptations of this translation, provided that:

You include the above copyright and source information.

If you make any changes to the text, you must indicate that you did so in a way that makes it clear that the original licensor is not necessarily endorsing your changes.

If you redistribute this text, you must distribute your contributions under the same license as the original.

Pictures included with Scriptures and other documents on this site are licensed just for use with those Scriptures and documents. For other uses, please contact the respective copyright owners.

Note that in addition to the rules above, revising and adapting God's Word involves a great responsibility to be true to God's Word. See Revelation 22:18-19.

2023-01-03

---

PDF generated using Haiola and XeLaTeX on 18 Apr 2025 from source files dated 19 Apr 2023

4a2fe4e0-ffe8-5377-87c7-19b3106ba2bc